3. हुआ यूँ कि...

मैं चौथी कक्षा में पढ़ता था जब स्कूल में खेले गए एक नाटक में पहली अदाकारी की। नाटक का नाम श्रवण कुमार था और मैं ही श्रवण कुमार की भूमिका निभा रहा था। निर्देशक नौवीं कक्षा का एक छात्र था। मेरे लिए उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण यही था कि वह आँखों पर चश्मा लगाए हुए था। मंच-सज्जा के लिए उसके हुक्म पर हम सभी अदाकार अपने-अपने घर से माँ-बहनों की धोतियाँ-साड़ियाँ उठा लाए थे—मंच पर बहती नदी दिखाने के लिए, जहाँ गहरी रात गए श्रवण कुमार अपने अंधे माँ-बाप के लिए पानी लेने जाता है। एक ओर पानी की बाल्टी रख दी गई थी। दो लड़के श्रवण कुमार के अन्धे माँ-बाप की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें हिदायत दी गई थी कि सारा वक्त आँखें बन्द किए रहें। निर्देशक महोदय ने उन्हें मंच के ऐन बीचोंबीच दर्शकों की ओर मुँह किए साथ-साथ बैठा दिया था। उनमें से एक बोधराज, माँ की भूमिका निभा रहा था। वह अपनी माँ की ही धोती पहने हुए था, जिसका पल्लू बार-बार सिर पर से खिसक जाता था।

पर्दा उठा, मेरे अंधे माँ-बाप बोले, "बेटा श्रवण कुमार, बहुत प्यास लगी है।" मैंने लोटा उठाया, चरण वंदना की और नदी की ओर चल पड़ा। उधर राजा दशरथ उछलता, पैंतरें बदलता और अपनी मूँछों को ताव देता हुआ पर्दे के पीछे से मंच पर उतरा, पीठ पर बंधे तरकश में से तीर निकाला और यह कहते हुए कि कोई जानवर नदी के जल को गंदा कर रहा है, अपना तीर चला दिया।

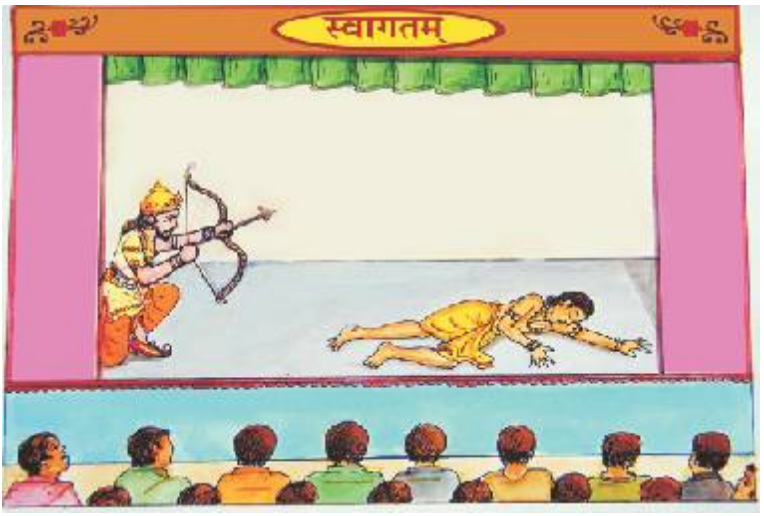

तीर को मैंने सीधा ऊपर की ओर जाते देखा, पर मैंने उसी क्षण लोटा फेंका और चारों खाने चित स्टेज पर लेट गया और सप्तम स्वर में गाने लगा–

"मैंने जालिम तेरा क्या बिगाड़ा,
तीर सीने में क्यों तूने मारा?
क्या खता थी वता, मेरी आखिर;
क्यों अभागे को जल भरते मारा?"

मेरी आवाज सप्तम् स्वर में चल रही थी जिस कारण हॉल में सन्नाटा छा गया। मैं बराबर गाए जा रहा था पर गीत इतना लंबा था कि खत्म ही नहीं हो पा रहा था। उधर राजा दशरथ, एक पैर आगे एक पीछे रखे, पोज वनाए, बिना हिले-डुले, मूर्तिवत् खड़ा था। इस इंतजार में कि मैं गाना खत्म करूँ और उसे संवोधित करूँ। उसका तीर-कमान मेरी दिशा में स्थिर हो गया था। अगर वह एक और तीर तरकश में से निकालकर मेरी ओर चला देता तो बात बन जाती पर उसे 'डायरेक्टर' ने एक ही तीर चलाने को कहा था और वह चल चुका था। मेरा गीत अभी आधा भी नहीं गाया गया था कि मेरी आवाज फटने लगी। किसी-किसी वक्त मुझे लगने लगा जैसे हॉल में बैठे दर्शक हँसने लगे हैं। उधर श्रवण कुमार के अंधे माँ-बाप आँखें बंद किए बैठ ही नहीं पा रहे थे, कभी एक तो कभी दूसरा, आँखें खोल देता जिसे देखकर दर्शक हँसने लगे थे। "वह देख, उसने फिर आँखें खोली हैं।"

सहसा हॉल में ठहाका हुआ। बोधराज के सिर पर से, जो अंधी माँ की भूमिका में था, धोती का पल्लू खिसक आया था और नीचे से उसका घुटा हुआ सिर निकल आया था। फिर किसी ने ऊँची आवाज़ में कहा "वह देख, फिर से देख रहा है। उसने फिर से आँखें खोल दी हैं।"

हॉल में बार-बार ठहाके उठने लगे। फिर बार-बार तालियाँ बजने लगीं। फिर जब मैंने गीत समाप्त करके, तड़पकर मरने का अभिनय किया तो हॉल में सीटियाँ बज रही थीं। मेरी कक्षा के एक अध्यापक मेरे भाई बलराज से कह रहे थे; "यह तेरा भाई क्या कर रहा है?"

मेरी मृत्यु के बाद अभी और संवाद बोले जाने थे—बूढ़े माँ-बाप के साथ राजा दशरथ के संवाद, अंधे माँ-बाप को अभी श्राप देना था पर नाटक का शेष भाग मैं भूल गया और झट से उठ बैठा। इससे हॉल में हँसी के फव्वारे फूट उठे। किसी ने आवाज़ कसी, "लेटा रह ! लेटा रह !"

पर मैं इतना बेसुध हो गया था कि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूँ। मुझे और तो कुछ नहीं सूझा, मैं फिर लेट गया जिस पर ऐसी तालियाँ बजने लगीं कि थमने में नहीं आ रही थीं। सीटियाँ, तालियाँ, ठहाके तरह-तरह की आवाज़ें देर तक चलती रहीं।

यह मेरी पहली अदाकारी थी।

-भीष्म साहनी

शब्दार्थ

निर्देशक	–	निर्देश देने वाला, बतलाने वाला या समझाने वाला
अदाकारी	–	अभिनय
हिदायत	–	अनुदेश, रास्ता दिखाना, निर्देश
तरकश	–	जिसमें तीर रखा जाता है
जालिम	–	अत्याचारी, क्रूर
मूर्तिवत	–	मूर्ति के जैसा
दर्शक	–	देखने वाले
बेसुध	–	अचेत, बेहोश

अभ्यास

पहली अदाकारी

1. श्रवण कुमार की भूमिका किसने निभाई?
2. बोधराज को किसकी भूमिका निभाने में क्या परेशानी हो रही थी?
3. दशरथ मंच पर मूर्ति की तरह क्यों खड़ा था?
4. तीर लगने के बाद कौन-सा गीत गाया गया?
5. श्रवण कुमार के माता-पिता बने लड़कों को क्या हिदायत दी गई थी?
6. दर्शक तालियाँ क्यों बजाने लगे?

नाटक की दुनिया

1. नाटक में निर्देशक क्या काम करता है?
2. बच्चे अपने घर से धोती-साड़ियाँ क्यों उठा लाए थे?
3. नाटक खेलते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?

4. मंच पर इन्हें दिखाने के लिए किन चीज़ों का प्रयोग किया जा सकता है?

(क) पेड़ – ----------

(ख) कुआँ – ----------

(ग) साँप – ----------

4. आपके अनुसार नाटक की सफलता में किसकी भूमिका सबसे ज़्यादा होती है—अभिनेता की, निर्देशक की, नाटक लिखने वाले की या मंच सज्जा करने वाले की? अपने उत्तर का कारण भी बताएँ।

5. 'श्रवण' कुमार नाटक खेलने के लिए बच्चों को किस-किस सामान की जरूरत पड़ी होगी? एक सूची बनाइए—

जरूरी सामान – ---------- ---------- ----------

---------- ---------- ---------- ---------- ----------

---------- ---------- ---------- ----------

आपकी बात

1. क्या आपको किसी नाटक में अदाकारी का मौका मिला है? उसके बारे में बताइए।
2. क्या आपके मुहल्ले, गाँव या शहर में नाटक होते हैं? उनके बारे में बताइए।
3. **मेरे लिए उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण यही था कि वह आँखों पर चश्मा लगाए हुए था।**
   (क) क्या चश्मा लगाने से व्यक्ति योग्य बन जाता है?
   (ख) आपके अनुसार योग्य होने के लिए क्या जरूरी है?
   (ग) आप अपनी कक्षा, परिवार और गाँव में किस-किस को बड़ाई के योग्य मानते हैं और क्यों?
4. **अगर आपको 'श्रवण कुमार' नाटक में अभिनय करने का अवसर मिले तो—**
   (क) आप किस पात्र की भूमिका निभाना चाहेंगे और क्यों?
   (ख) आपको किस पात्र की भूमिका निभाने में कठिनाई होगी और क्यों?

अनुमान लगाइए

1. श्रवण कुमार के माता-पिता वने लड़के आँखें बंद करके क्यों नहीं बैठ पा रहे थे?
2. लेखक की आवाज़ क्यों फटने लगी थी?
3. अध्यापक ने ऐसा क्यों कहा कि यह तेरा भाई क्या कर रहा है।

खोजबीन

पाठ में से उन अंशों को खोजकर बताइए जिनसे दर्शकों को नाटक में मज़ा आ रहा था।

भाषा के रंग

1. क्या है 'गहरा' ?

'जहाँ **गहरी रात** गए श्रवण कुमार अपने अंधे माँ-बाप के लिए पानी लेने जाता है।' इस वाक्य में 'गहरी रात' का अर्थ 'बहुत रात होना' है। नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित अंशों के अर्थ बताइए–

(क) इसमें एक <u>गहरा राज</u> है। ----------

(ख) यह नदी <u>बहुत गहरी</u> है। ----------

(ग) रमा को <u>गहरा हरा</u> रंग पसंद है। ----------

(घ) मास्टर जी ने आज एक <u>गहरी बात</u> समझाई । ----------

2. सही का चिह्न (✓) लगाइए–

i. सप्तम स्वर में गाने का मतलब है–

(क) धीमी आवाज़ में गाना (ख) ऊँचे स्वर में गाना

(ग) रो-रो कर गाना (घ) सुर मिलाना

ii. हॉल में 'सन्नाटा छा गया।' मतलव है–

(क) हॉल में खुशी छा गई (ख) हॉल में तंबू छा गया

(ग) हॉल में खामोशी छा गई (घ) हॉल में अँधेरा छा गया

iii. 'घुटा हुआ सिर' का मतलब है–

(क) सिर पर एक भी बाल न होना (ख) छोटा सिर

(ग) छोटे बालों वाला सिर (घ) कटा हुआ सिर

3. दिए गए शब्द-समूह में से सही शब्द पर घेरा ◯ लगाइए–

1.	साड़ीयाँ	साड़ियां	साड़ियाँ
2.	मूंछ	मूँछ	मुँछ
3.	मूर्ति	मूर्ती	मुर्ति
4.	दशर्क	दर्शक	र्दशक

4. 'हॉल' का 'हाल'

'हॉल' में बैठे दर्शक हँसने लगे।' शब्द में 'हा' के ऊपर आधा चाँद बना है। इसका प्रयोग ज्यादातर अंग्रेजी से आए शब्दों में होता है। अब नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए। क्या कोई अंतर नज़र आया?

हाल	–	हॉल	काफ़ी	–	कॉफी
वाल	–	बॉल	डाली	–	डॉली

5. इन शब्दों को भी बोल-बोल कर पढ़िए–

डॉक्टर, कॉलेज, कॉपी, फ्रॉक

6. नीचे दिए गए वाक्यों को सही शब्द से पूरा कीजिए–

(क) मुझे ---------- कटवाने जाना है। (वॉल / वाल)

(ख) रोहित ने ऐसा बल्ला घुमाया कि ---------- दीवार के पार चली गई। (बॉल / बाल)

(ग) आपका का क्या ---------- है? (हॉल / हाल)

(घ) यह खाना बीस बच्चों के लिए ---------- रहेगा। (कॉफी / काफी)

(ङ) यह ---------- बहुत गर्म है। (कॉफी / काफी)

शब्दों की दुनिया

1. निम्नांकित शब्दों से वाक्य में दिए गए खाली स्थानों को भरिए –

पर, में, के, ने, को

(क) दर्शक हॉल ---------- बैठे थे।

(ख) बोधराज ---------- कुछ समझ में नहीं आया।

(ग) हम सभी मंच ---------- खड़े थे।

(घ) माता-पिता ---------- अपनी आँखें खोल दीं।

(ङ) श्रवण कुमार ---------- माता-पिता उसे बहुत प्यार करते थे।

2. 'मानसरोवर' के अक्षरों से नए शब्द बनाइए –

जैसे– मानस ---------- ---------- ----------

3. नाटक की दुनिया से जुड़े शब्दों की सूची को आगे बढ़ाइए–

जैसे-अदाकारी ---------- ---------- ---------- ----------

---------- ---------- ---------- ----------

---------- ---------- ---------- ----------

संवाद और अभिनय

1. 'अगर वह एक और तीर तरकश में से निकालकर मेरी ओर चला देता तो मेरा काम बन जाता।' अगर दशरथ तीर चला देता तो दशरथ और श्रवण कुमार के बीच क्या बातचीत होती? उनके संवाद लिखिए और फिर अभिनय भी कीजिए–

श्रवण कुमार – हाय ! मार डाला ।

दशरथ – अरे, यह क्या हो गया? मैंने तो सोचा था कि कोई जानवर होगा।

श्रवण कुमार – ----------

दशरथ – ----------

2. श्रवण कुमार पर आधारित नाटक का मंचन कीजिए।

***